UNIT - 7

RURAL FINANCE (ग्रामीण वित्त)

➢Finance / loan / credit / उधार / ऋण / लोन / साख के नाम से भी जाना जाता है।

➢"कोई भी वह कार्य जो कृषि से संबधित हो, उसे पूरा करने के लिए किसी संस्था ,व्यक्ति या दोस्त से पूंजी या रूपया उधार लेना Finance / loan कहलाता है।"

Or

➢"कृषि ऋण / साख वह राशि है। जिसे कृशक, उत्पादन बढ़ाने व अन्य खर्चो के लिए कुछ शर्तो पर लेता है।"

(Agriculture credit may be defined as the amount of investable funds available for the purpose of development and sustenance of farm productivity.)

Or

(Agriculture credit Is the amount from which the farmer takes on certain conditions for increasing production and other expenses.)

❖**कृषि ऋण के आवश्यकता के कारण :-**

1) कृषि के अंतर्गत आने वाली सभी आवश्कताओं के लिए।
2) कृषि व्यवसाय में बजट की कमी के कारण ।
3) पुराना कर्ज चुकाने के लिए।
4) सामाजिक कार्यो हेंतु जैसे शादी मृत्युभोज आदि के लिए।
5) पारिवारिक खर्चो के लिए

CLASSFICATION OF FINANCE

❖**According to period / time:-**

1) **Short term / crop loan** (अल्पकालीन ऋण):-

➢यह **loan 1 - 1.5 year** की अवधि के लिए दिया जाता है। यह ऋण, फार्म पर चालू खर्च के लिए दिये जाते है। इस ऋण को **crop loan** भी कहते है। यह लोन मौसमी कृषि कार्यो हेतु दिया जाता है।

☞**स्त्रोत मुख्यत :-** प्राथमिक सहकारी साख समितियों(Primary co-operative society), सहकारी बैंक, साहूकार, महाजन व जमीदार द्वारा दिये जाते हैं।

➢इस लोन के द्वारा किसान खाद, बीज, उर्वरक, बिजली बिल, ट्रेक्टर के ईधन, पशु आहार , आदि के लिए लेते हैं।

2) Mediam term / crop loan (मध्यावधि ऋण):-

➢यह ऋण सहकारी समितियों(co-operative society), व्यवसायिक बैकों (commercial Bank),भूमि विकास बैंक(Land development Bank), ग्रामीण बैंक आदि के द्वारा 1.5 - 5 वर्शो के लिए दिया जाता हैं।

➢इस लोन या ऋण के द्वारा किसान पशु , कुऑ , नहर गहरा करने, पम्प सेट खरीदने, भूमि सुधार (Land improvement) , Equipments के लिए दिया जाता हैं।

Scanned with CamScanner

3) Long term (दीर्घकालीन ऋण) :-

- यह ऋण भूमि विकास बैकों व व्यवसायिक बैकों द्वारा 5 - 15 वर्शो के लिए दिया जाता हैं।
- इस लोन / ऋण के द्वारा किसान भारी मशीन, ट्रेक्टर, हार्वेस्टर, मुर्गी पालन, मछली पालन, पुराने कर्ज को चुकाने (Repayment of old loan)के लिए आदि के लिए दिया जाता हैं। इसकी अधिकतम अवधि 20 वर्ष तक हो सकती है।

Sources of credit

Institutional Sources
(संस्थागत ऋण)

→ इस प्रकार के ऋण में सरकार का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष हस्तक्षेप(Interference) होता है।

1) सहकारी बैंक समितियाँ(Co-operative bank society)
2) व्यापारिक बैंक(Commercial bank)
3) नाबार्ड बैंक(NABARD)
4) क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक(Regional rural bank)
5) कृशि वृत्य निगम(Agricultural finance corporation)
6) प्राथामिक कृशि ऋण सोसायटी(Primary Agricultre credit society,PACS)

Non – Institutional sources
(गैर संस्थागत / निजी स्त्रोत ऋण)

→ इस प्रकार के ऋण में सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं होता है। बहुत कम हस्तक्षेप होता है।

1) साहुकार / महाजन (Banker)
2) व्यापारी (Business men)
3) जमीदार (Land wner)
4) रिस्तेदार (Relative)
5) दोस्त (Friend)
6) बडें किसान आदि।

Co – Operative (सहकारिता)

- साहकारिता ऐसे व्यक्तियों का समूह हैं ,जो परस्पर स्वेछापूर्वक एकत्रित होते है,और अपने साधनों को एकत्रित कर, आर्थिक विकास एंव समाज कल्याण का कार्य करते है।
(A co – Operative is a business or organization run by the people who work for it, or owned by the people who use it. These people share its benefits and profits.)

❖ **भारत में सहकारिता :-**

- भारत में सहकारिता का मुख्य उदेद्श्य ग्रामीण मजदूरों व किसानों को व्यापारिक या व्यापारियों के शोशण से मुक्त करना था।
- 25 मार्च 1904 में सर्वप्रथम सहकारी ऋण कानून प्रारंभ किया गया। जिससे कि लघु एवं सीमांत कृषकों को पर्याप्त ऋण मिल सके।
- सहकारिता स्थापित करने के लिए ,सहकारिता में 10 व्यक्तियों की समूह होती है।

(The main objective of co – operatives in india was to liberate rural and farmers from the exploitation of merchants .)
(The first co – operative loan law was introduced on march 25, 1904, so that small and marginal farmers could get adequate loan.)

Scanned with CamScanner

❖ <u>सहकारिता के सिध्दांत</u> :-

1) एच्छिक सदस्यता का सिध्दांत।(Principal of voluntary membership.)
2) आर्थिक सामाजिक नैतिक विकास का सिध्दांत।
   (Principal of economic , social , ethical, development.)
3) समानता का सिध्दांत।(Principal of Equality.)
4) लोकतंत्र का सिध्दांत।(Principal of Democracy.)
5) पारस्परिक सहयोग का सिध्दांत।(Principal of matual co – operation.)
6) स्वालम्बन का सिध्दांत।(Principal of Suspension.)

❖ <u>सहकारिता का वर्गीकरण</u> :- 2 type के होते है :-

1) <u>अल्पकालीन कृषि समिति (Short term Ag. Credit society)</u>:-

➢प्राथामिक कृषि साख समिति / (PACS):- कृषकों को कृषि ऋण लेने हेतु सबसे उपयुक्त स्त्रोत है।
➢केन्द्रीय सहकारी बैक।
➢राज्य सहकारी बैक।

2) दीर्घकालीन कृषि साख समिती <u>(Long term Ag. Credit society)</u>:-

➢प्राथामिक भूमि विकास बैक।
➢केन्द्रिय विकास बैक।

<u>Different levels or structure of co – operative credit institutions</u>

<u>(सहकारिता साख संस्थाओं के विभिन्न स्तर)</u>:-

•यह संस्था 3 tiers / स्तर पर कार्य करती है:-

1) ग्रामीण स्तर (Village level)
2) जिला स्तर (Distric level)
3) राज्य स्तर (state level)

1) <u>ग्रामीण स्तर (Village level)</u> :-

इस स्तर पर जो संस्थाए होती हैं। उन्हें प्राथामिक सहकारी शाखाएँ या संस्थाएँ कहते है। इन समितियों की पूंजी के स्त्रोत राज्य सरकारी बैंक, जिला सरकारी बैक,एंव प्रदेश सरकार से होता है। ये सस्थॉए अधिकतर परन्तु कभी कभी मध्यकालीन ऋण देती है।

2) <u>जिला स्तर (District level)</u> :-

इस स्तर पर केन्द्रीय सरकारी बैंक व जिला भूमि विकास बैक आते है। इसका मुख्य कार्य राज्य बैंकों से ऋण लेकर प्राथमिक सहकारी साख समिति तक पहुँचाता है।

3) <u>राज्य स्तर (state leval)</u> :-

किसी राज्य में इस स्तर पर सहकारी क्षेत्र की उच्च स्तरीय(High level) संस्था होती है।

Scanned with CamScanner

किसानों का वर्गीकरण

➢चार प्रकार के Farmer होते है।

1) सीमांत किसान (Marginal farmer) - 1 हेक्टेयर से कम भूमि।
2) छोटे किसान (Small farmer) - 1 – 2 हेक्टेयर भूमि।
3) मध्यम किसान (Medium farmer) - 2 – 4 हेक्टेयर भूमि।
4) बड़े किसान (Large farmer) - 4 हेक्टेयर से अधिक भूमि।

❖**प्राथामिक साख समिति का उदेद्श्य** :-

➢कृशि उत्पादन कार्य में भाग लेना।
➢उत्पादन कार्य हेतु कृषकों को ऋण प्रदान करना।
➢स्थायी बचत को समिति में जमा करना।
➢उपयुक्त उदेद्श्यों को पूरा करने के लिए केन्द्रीय संस्थान से ऋण लेना।

❖**प्राथामिक साख समिती का पंजीकरण (Registration)** :-

➢समिति के लिए कम से कम 10 व्यक्ति होना चाहिए।
➢सभी सदस्यों की आयु 18 वर्शो से कम नहीं होना चाहिए।
➢सभी सदस्य एक ही व्यवसाय वाले होने चाहिए।

1. NABARD
(National bank for agriculture and rural development)

सीपना - 12 जुलाई 1982.
मुख्यालय - मुम्बई महाराष्ट्र
अध्यक्ष - डॉ. हर्स कुमार भनवाला

➢नाबार्ड बैंक देश का रिजर्व बैंक का हिस्सा है। जो कृषि एवं ग्रामीण विकास के लिए राष्ट्रीय पर विभिन्न माध्यमों द्वारा ऋण उपलब्ध कराता है।
➢NABARD बैंक की स्थापना Shivaraman Committee की स्वीकृति पर भारत सरकार ने कृषि एवं ग्रामीण विकास के लिए 12 जुलाई 1982 को की थी।
➢नाबार्ड बैंक में कुल अधिकृत शेयर पूँजी(Authorized share capital) 500 करोड़ है। इस पूँजी का आधा भाग सरकार तथा आधा भाग रिजर्व बैंक द्वारा किया जाता है।

2. RBI (Reserve bank of india)

➢रिजर्व बैक हमारे देश का सर्वोच्च बैंक है।
➢रिजर्व बैक को बैकों का बैंक कहते है।
➢रिजर्व बैक की स्थापना 1 अप्रैल 1935 को हुई।
➢रिजर्व बैक का मुख्यालय मुम्बई में है।
➢इसके अध्यक्ष शक्ति कांता दास जी है।

Scanned with CamScanner

3. NAFED

(National agriculture co operative marketing federation of india)

- स्थापना अक्टूबर 1958 में की थी।
- यह सहकारी विपणन क्षेत्र का राष्ट्रीय स्तर का संगठन है।
- इसका मुख्यालय दिल्ली में है।

4. भूमि विकास बैंक (land development bank)

- इस बैंक की स्थापना किसानों को दार्घकालीन वित्तीय आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए 1920 में की गई थी।

SUCCESS AGRICULTURE INSTITUTE
SAI
PAT
कृषि जीवनस्य आधारम्
ICAR

Scanned with CamScanner

UNIT - 8

Agriculture business planning and management

(कृषि व्यापार योजना एंव प्रबंध)

❖**Farm (प्रक्षेत्र) :-**

➢भूमि का वह खण्ड भाग जिसकी निश्चित सीमाएँ होती है और इसका उपयोग पशुपालन व फसल उत्पादन के लिए किया जाता है, प्रक्षेत्र कहलाता है।

❖**Farm management :-**

➢प्रक्षेत्र प्रंबध से तात्पर्य समुचित साधनों का उपयोग करके प्रति इकाई क्षेत्र में अधिकतम लाभ प्राप्त करना। Farm management कहलाता है।

➢**प्रक्षेत्र प्रबंधन में निम्न 5 कार्य किये जाते है:-**

1) अवलोकन। (Survey)
2) विश्लेशण। (Analysis)
3) निर्णय लेना। (Decision)
4) लिए गये निर्णय को लागू करना। (Applying the Decision)
5) परिणामों को परिवहन करना। (Transporting).

Inventory of farm resources
(फार्म संसधानों की चल एंव अचल सम्पति)

[1] Assets (सम्पति)

➢Farmer की total सम्पति को असेस्ट (Assets) कहते है।
ex :- Land , Buildings , Machinery , livestock , etc.

❖**Type of assets :-**

2 type के होते है:-

1)**Fixed Assets (अचल सम्पति) :-**

➢अचल सम्पति वह होती है जो किसान के पास नकद / cash के रूप में नहीं होती है।
(Fixed assets are not expected to be consumed or converted into cash.)
ex:- Land, building.

2)**Working Assets (चल सम्पति) :-**

➢चल सम्पति वह होती है जो किसान के पास नकद / cash के रूप में उपस्थित होती है।
ex:- Raw materials, Farm machinery, Equiprments, livestock , etc.

Or

3) **Current Assets (चालू सम्पति) :-** cash in hand , seed , fertilizen.

Scanned with CamScanner

[2] Liabilities
(ऋण / कर्ज / किराया भाडा / दायित्व / देनदारी)

➢**Liabilities :-** यह व्यक्ति द्वारा किसी संस्थागत या गैर संस्थागत से कृषि कार्य के लिए लिया गया पूंजी ऋण, Liabilities कहलाता है।

➢Liabilities 3 type के होते है:-

1)**Long duration liability (दीर्घकालीन ऋण / दायित्व) :-**

➢जिन Liability का भुगतान दीर्घकालीन के बाद किया जाता है। उन्हें Fixed liability / long duration liability कहा जाता है।

ex:- ट्रेक्टर ऋण, भूमि ऋण आदि।

(The liability which is paid after a long period is called fixed liability.)

2)**Intermediate liability / medium term (मध्यकालीन ऋण / दायित्व) :-**

➢जिन Liability का भुगतान मध्य वर्षो (mid year)के बाद किया जाता हो। उन्हें Medium term liability कहा जाता है।

ex:- पशुधन ऋण , मशीनरी ऋण आदि।

3)**Current liability (वर्तमान ऋण / दायित्व) :-**

➢जिन Liability का भुगतान चालू वर्शो के बाद किया जाता है। उन्हें current liability कहा जाता है।

ex:- **बैक ऋण , अल्पकालीन ऋण आदि।**

Farm Records and Accounts
(फार्म रिकार्डस या एंव लेखा जोखा)

❖**Farm Records :-**

➢फार्म अभिलेख या रिकार्ड्स जैसा कि नाम से ही स्पश्ट है। रिकार्ड किसी एक विषय के आकड़ों के संग्रह का ब्यौरा होता है।

(Farm records is a statement containing data on a specific subject.)

➢यह रिकार्ड फार्म के संबंध में अनेक सूचनाएँ प्रदान करते है।

❖**Farm Records के गुण :-**

1) फार्म अभिलेख स्थानीय भाशा में लिखा होना चाहिए।
2) फार्म रिकार्ड में असिमित सूचना को लिखने के लिए स्थान होना चाहिए।

❖**Farm Records के लाभ :-**

1) Former की योजना के लिए आधारभूत सूचना प्रदान करना।
2)यह रिकार्ड ऋण प्राप्ती की आधार होता है
3) कृशि अर्थशास्त्र एंव अनुसंधान से सम्बन्धित सूचना देता है।
4) फार्म रिकार्ड सहकारी नितियों के लिए सूचना का आधार होता है।

Scanned with CamScanner

TYPES OF FARM RECORDS

Physical record
(भौतिक अभिलेख)
→ Farm का नक्शा।
→ स्टॉक रजिस्टर।
→ खसरा(Measles)
→ भूमि अभिलेख रजिस्टर।
→ etc,(Farm record)

Financial register
(आर्थिक रजिस्टर)

Annual farm records
(वार्शिक फार्म अभिलेख)
1) profit & loss account.
2) Balance sheet.

Principal book
(प्रधान / मुख्य पुस्तक)
1) (ledger) खाताबही।
2) (Cash book) रोकड़बही।

Subsidiary register
(सहायक पुस्तके)
1)प्रक्षेत्र इंवेंटरी (Inventory)
2)क्रय रजिस्टर (purchese register)
3)बिल प्राप्ति रजिस्टर (Bills receivable book)
4)बिल देय रजिस्टर (Bills payablebook)
5)वापसी बही (return book)

❖**<u>Farm inventory</u> :-**

➢Farm inventory एक ऐसी सूची होती है। जिसमें किसान के पास फार्म पर जो भी परिसम्पत्तियॉ (Assets) होती है। तथा उसकी जो देनदारी अथवा ऋण होता है। उन सबका ब्यौरा रहता है।

1)<u>Profit & loss account</u> :- यह खाता वर्ष के अंत में या किसी निश्चित तिथि पर फार्म व्यवसाय से सम्बंधित शुध्द लाभ या हानि को ज्ञात करने के लिए तैयार किया जाता है।

2)<u>Balance sheet</u> :- यह एक निश्चित समय पर तैयार किया गया एक प्रकार का विवरण होता है। जिसमें व्यापार से सम्बधित सभी प्रकार की परिसम्पत्तियों पूँजी(Assets capital) तथा देनदारियॉ का ब्यौरा दर्शाया जाता है।

Or

" Balance sheet किसी farm का financial statement होता है। जिसमें total assets व total liabilities को दर्शाया जाता है।

Scanned with CamScanner